शिवालयों में उमड़ा भक्तों का सैलाब, गूंजे बम भोले के जयकारे

श्रावण माह के पहले सोमवार को शिव मंदिरों पर रही भक्तों की भीड़, जलाभिषेक करने लगी कतारें

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। सावन माह के पहले सोमवार को मंदिरों में हर-हर महादेव, जय भोलेनाथ और बोल बम-बम के जयकारे गूंज उठे। इस दौरान सुबह से ही मंदिरों में शिव भक्तों का तांता लगा रहा, जो देर शाम तक जारी रहा। इस दौरान मंदिरों में भगवान शिव के जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिरों में भी सावन के पहले सोमवार को लेकर विशेष व्यवस्था की हुई थी। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में जलाभिषेक किया और भांग, बेलपत्र, फूल, फल, शहद चढ़ाकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। जिसके चलते शहर सहित जिल के सभी मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखी गई।

दरअसल श्रावण माह का पहला सोमवार जिलेभर में भक्तिभाव और उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान जहां सैंकड़ो की संख्या में श्रद्धालु सुबह से लेकर देर शाम तक मंदिरों पर पहुंचे और जलाभिषेक किया। तो वहीं शहर के प्राचीनतम मंदिर हजारेश्वर मंदिर, राज राजेश्वर मंदिर, चिंताहरण स्थित सिद्धेश्वर मंदिर, स्वामी जी की बगिया स्थित पंचकुंडीय मंदिर, तारबाले बालाजी स्थित शिवालय में भक्तों की भीड़ देखी गई। तो वहीं

जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु की कतार लगती नजर आई।

शिव महिमा का किया पाठ:

यादव कॉलोनी स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर पर शिव भक्तों द्वारा पुजारी किशन लाल मिश्रा की सानिध्य में श्रावण के प्रथम सोमवार को त्रिवेणी से गंगा जल लाकर जलाभिषेक किया गया । इस दौरान निकाली गई कावड़ यात्रा में महिलाओं-पुरुषो आदि सम्मलित थे। वहीं श्रद्धालुओं ने पुजारी श्री मिश्रा के मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव की विधिवत पूजा अर्चना की। तो वहीं पुजारी श्री मिश्र द्वारा शिव महिमा का पाठ किया तथा शिव पंचाक्षरी मंत्र के स्तुति की गई। इस दौरान श्री मिश्र ने बताया कि शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव शंकर इतने समदर्शी है कि भूत प्रेत भी उनकी पूजन करते हैं। रात्रि 12 से 4 बजे तक भगवान शिव शंकर का नाम शमशान बिहारी भी है और विष्णु भगवान बैकुंठ बिहारी हैं भगवान श्री कृष्णा वृंदावन बिहारी हैं भगवान शिव शंकर इतने दयालु है कि रात्रि में श्मशान में जाकर भूत प्रेतो से पूजन करवाते हैं।

बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पैदल निकले श्रद्धालु

नवभारत न्यूज

मुंगावली। श्रावण मास में भोलेनाथ के भक्तों का हुजूम मंदिरों में देखने को मिला रहा है नगर के सभी प्रसिद्ध मंदिरों में भक्तों द्वारा पहुंच कर बाबा भोलेनाथ का जल अभिषेक करते देखे जा सकते हैं। मंदिरों में भक्तों की लंबी-लंबी लाइन देखी जा सकती है श्रावण मास में पृथम सोमवार होने पर भोलेनाथ की भक्ति में लीन देखे जा सकते हैं बता दे कि श्रावण मास के पहले सोमवार को शिवालयों में लगी श्रद्धालुओं की भीड़ ,सावन माह के प्रथम सोमवार को नगर के सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लग गई ऐसी मान्यता है की श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित मास है। भक्तों द्वारा कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी भक्तों की लाइन में किसी भी तरह की परेशानी ना हो। वही शिव के गण नंदी बाबा के दर्शनों एवं आशीर्वाद के लिए भक्त गण उमड़ रहे थे तो बही नगर में भोलेनाथ के भक्तों द्वारा बाबा महाकाल के दर्शन करने के नगर से एक जत्था पैदल निकला है जिसमें जगतगुरू केशवाचार्य महाराज श्री श्री 1008 श्री राम गोपालाचार्य महाराज के संरक्षण में सकादिक विधिलोकाचार्य श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास जी महाराज के आशीर्वाद से महंत मणिराम दास महाराज के संयोजन में परम श्रद्धेय अवधेश महाराज द्वारा मुंगावली नगर से भव्य पदयात्रा महाकाल नगरी उज्जैन के लिए प्रस्थान सुबह निकल चुकी है जिसमें बाबा महाकाल के जत्थे में लगभग 25 सदस्य निकले हैं जो श्रवण के प्रथम सोमवार को गायत्री मंदिर चौराहे से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए केंद्रीय विद्यालय छितरी तारई बरखेडा पिपरई होते हुए रात्रि का विश्राम श्री राधा कृष्ण मंदिर में रतवास् चक्क पर रहेगा एवं अगले दिन सुबह 15 जुलाई को यात्रा प्रारंभ होकर शाम को अशोकनगर पहुंचेगी 16 तारीख को अशोकनगर से भव्य शुभारंभ होगा तुमेन् कचनार के रास्ते होते हुए. आनंदपुर लटेरी मकसूदनगढ़ सुठालिया ब्यावरा पचोर सारंगपुर शाजापुर मक्सी होते हुए महाकाल नगरी उज्जैन में प्रवेश करेगी। 12 दिन की चलने वाली यात्रा में समस्त श्रद्धालु भक्तों के लिए भोजन प्रसादी स्वल्पाहार की व्यवस्था निशुल्क है।

कावड़ यात्रा में श्रद्धालु संग शामिल हुआ हाथी

श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर भक्त मंडली ने किया कावड़ यात्रा का आयोजन

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। श्रावण मास के पहले सोमवार को जहां शिवालय बम भोले के जयकारों से गूंज उठे, तो वहीं श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर की भक्त मंडली द्वारा कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया, जो पठार स्थित श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर से प्रांरभ होकर तूमैन पहुंची, जहां से कावड़ियों ने त्रिवेणी का जलभर कर वापस श्री सिद्धेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां श्रद्धालुओं द्वारा पुजारी किशोर शर्मा के मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया।

उल्लेखनीय है कि श्री चिंता हरण हनुमान मंदिर की भक्त मंडली द्वारा लगातार दूसरे वर्ष कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा जिला मंत्री मनोज शर्मा सहित बड़ी संख्या

युवाओं सहित शिव भक्त शामिल रहे। इस कावड़ यात्रा की विशेष बात यह रहीं कि इसमें काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं। जो ढोल और डीजे पर बज रहे भोलेनाथ के भजनों पर झूमते नजर आए।

हाथी सहित हजारों कावड़ियां हुए शामिल:

सावन के पहले सोमवार को निकाली गई कावड़ यात्रा में जहां एक ओर हजारों श्रद्धालु कावड़ यात्रा में शामिल हुए, तो वहीं इस कावड़ यात्रा में हाथी कावड़ भरने के लिए त्रिवेणी पहुंचा, यहकावड़ यात्रा जहां-जहां से गुजरी वहां-वहां हाथी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। इस कावड़ यात्रा में मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष राजकुमार,उपाध्यक्ष राज, संचालक प्रदीप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिनका श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह जल पिलाकर और फूल वर्षाकर स्वागत किया गया।

एक नजर में

व्यापारियों की सजगता से हिरनी की बची जान

शाढ़ौरा। कुत्तों के शिकार से बचते-बचाते सोमवार सुबह एक हिरनी सदर बाजार तक जा पहुंची। जब यह नजारा व्यापारियों ने देखा तो बचाने के प्रयास करते हुए कुत्तों का शिकार होने से पहले हिरनी को बचा लिया। लेकिन तब तक हिरनी बुरी तरह घायल हो चुकी थी। व्यवसायी आशीष जैन ने प्राथमिक मदद कर वन विभाग, गौ शाला एवं थाने में सूचना देकर मदद मांगी। श्री नारायण दास गौशाला का उपचार वाहन तत्काल घटना स्थल पहुंचा। पुलिस ने तत्परता से पशु चिकित्सालय भेजा। जहां उपचार कर डाक्टरों ने बताया कि हिरनी गर्भवती थी। वन विभाग की रेस्क्यू टीम के सुपुर्द किया गया।

प्रवेश प्रक्रिया के विरोध में 19 को ज्ञापन

अशोकनगर। जिला मुख्यालय पर इस सत्र से प्रारंभ हुआ केंद्रीय विद्यालय शुरू होने से पहले ही विवादों में घिरता जा रहा है। जिसका मुख्य कारण है प्रवेश प्रक्रिया में आरक्षण पद्ति लागू करना और इसमें जनरल वर्ग के बच्चों को एडमिशन न मिलना। जिसकी बजह से सोमवार को शगुन मैरिज गार्डन में जनरल वर्ग के लोगों द्वारा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित लोगों द्वारा केंद्रीय विद्यालय की आरक्षण प्रक्रिया का विरोध करते हुए सामान्य वर्ग के बच्चों के एडमिशन को लेकर चर्चा की गई। तो वहीं इस पर सवालिया निशान खड़े करते हुए एक ज्ञापन 19 जुलाई को देने का निर्णय लिया गया।

दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

अशोकनगर। कलेक्टर आदित्य सिंह ने सोमवार को दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र के कर्मचारी अनुपस्थित मिले।

परमानेंट सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन,सौंपा ज्ञापन

बारिश में भीगते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। परमानेंट सहित अन्य 13 सूत्रीय मांगो को लेकर जिले की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं द्वारा प्रदर्शन करते हुए एक ज्ञापन मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम बृजविहारी लाल श्रीवास्तव को सौंपा। ज्ञापन देने से पूर्व जिले की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका स्टेशन रोड़ पर एकत्रित हुई और वहां से रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां पर

नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान जहां जोरदार बारिश में कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं भीग गई, तो वहीं हाथों में तख्तीयां पर लिखे नारे लगाते हुई नजर आई। जिला अध्यक्ष सुनीता विश्वकर्मा ने बताया यह प्रदर्शन प्रांतीय आव्हान पर किया गया है, जिसमें प्रशासन के समक्ष उनकी मांगे रखी गई, यदि मांगो का निराकरण नहीं हुआ तो आगामी समय में अनिश्चित कालीन हड़ताल की जाएगी।

ये रखी मुख्य मांगे:

* महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यरत समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को योजना बनाकर नियमित किया जाए।
* आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को न्यूनतम पेंशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे की सेवा निवृत्ति के बाद वह अपना गुजर बसर आराम से कर सके।
*स्व-सहायता समूहों को पोषण आहार का मासिक भुगतान नियमित किया जाए।
* मार्च 2025 से लंबित पोषण आहार वितरण राशि का शीघ्र भुगतान हो।
* टीएचआर (टेक होम राशन) के परिवहन के लिए राशि खातों में डाली जाए या टेंडर प्रक्रिया से वितरण हो।
* आंगनवाड़ी भवनों का किराया नवीन स्वीकृत दर के अनुसार दिया जाए।
* मासिक बैठकें सेक्टर मुख्यालय पर आयोजित की जाएं।
* मासिक मानदेय, फलेक्सी फंड व अन्य भुगतान हर माह की 1 से 5 तारीख के बीच खातों में डाले जाएं।
* झूला, बोलक, बोर्ड व अन्य सामग्री शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाए।
* सरकारी रजिस्टर शासन द्वारा दिए जाएं ताकि संचालन में पारदर्शिता बनी रहे।
* सरकारी अवकाश व रविवार को बैठकें न रखी जाएं।
* बैठकों के लिए परिवहन भत्ता दिया जाए।
* बैठकों में उचित व्यवस्था और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित किया जाए।

कॉलेज की अव्यवस्थाओं को लेकर किया प्रदर्शन

छात्र संगठन एआईडीएसओ ने किया विरोध

बारिश में भीगते हुए प्रदर्शन में डटे रहे कार्यकर्ता

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। सोमवार को कॉलेज में प्रवेश शुल्क व बस सुविधा के नाम पर की गई फीस वृद्धि वापस लेने, मेजर/माइनर विषय से ही पीजी में प्रवेश की बाध्यता व विभिन्न अव्यवस्थाओं को लेकर छात्र संगठन एआईडीएसओ द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन के दौरान जहां बारिश न खलल तो डाला लेकिन वह कार्यकर्ताओं को मनोवल को नही गिरा सकी और छात्र हित में संगठन के कार्यकर्ता प्रदर्शन में डटे नजर आए।

प्रदर्शन के दौरान संगठन के जिला सचिव अनुराग सागर ने कहा कि हा यर एजुकेशन डिपार्टमेंट के द्वारा लगातार ऐसे नियम लाए जा रहे हैं जो कि छात्रों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। सरकार द्वारा अभी हाल ही में एक फरमान जारी करते हुए कहा गया कि मेजर/ माइनर विषय से ही छात्र पीजी कर सकेंगे और

बीएससी व बीकॉम के स्टूडेंट्स अब नए नियम के अनुसार एमए नहीं कर सकेंगे। यह बिल्कुल अतर्किक और मनमाना नियम छात्रों के ऊपर सरकार के द्वारा थोपा गया है। यह बेहद गलत है इस नियम के कारण कई सारे छात्र एमएससी और एमकॉम में सीटें कम होने के कारण पीजी करने से वंचित होंगे और साथ ही मेजर माइनर के अलावा अन्य विषय में सरकार द्वारा छात्रों को साक्षात्कार के माध्यम से एडमिशन दिए जाने का विकल्प दिया गया है जो कि नाकाफी है। सरकार लगातार शिक्षा को आम छात्रों की पहुंच से दूर करने का काम कर रही है। हम सरकार की इन तमाम शिक्षा विरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध करते हैं। वहीं कॉलेज इकाई अध्यक्ष पूजा ओझा ने बताया कि महाविद्यालय के छात्र विभिन्न समस्याओं का सामना करने पर मजबूर है स्टाफ की भरी कमी है 10,000 स्टूडेंट्स पर महज 8 ही परमानेंट प्रोफेसर्स कॉलेज में है जिसके कारण नियमित रूप से कक्षाएं संचालित नहीं हो पा रही हैं और छात्रों की पढ़ाई इससे प्रभावित हो रही है। अभी हाल ही में जनभागीदारी द्वारा प्रवेश शुल्क में वृद्धि की गई है, पिछले सत्र में बस सुविधा के नाम पर फीस बढ़ाई गई थी इस तरह से विभिन्न नामों पर कॉलेज प्रशाशन द्वारा लगातार फीस वृद्धि की जा रही है। जिसके कारण कई आर्थिक रूप से कमजोर छात्र अपनी पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। वहीं समस्याएं बताते हुए ज्ञापन सौंपा।

धर्मसभा

सुभाषगंज में आयोजित धर्मसभा में बोले महाराज

आत्महत्या करने का विचार मन में आना भी महापाप है :सुधासागर

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। अत्महत्या करने का कभी विचार भी मन में नहीं लाना यहां सबसे बड़ा मोटीबेसन लयसन है किसी भी परिस्थिति में आत्मघात नहीं करना दूसरों का घात करने पर कुछ छूट मिल जायेगी, लेकिन अत्महत्या की कभी माफ़ नहीं किया जा सकता इसलिए महानूभावो कभी सपने में भी अत्महत्या के भाव मत करना, मौत में और इनकाउंटर क्या अंतर है अदालत में पेश होने पर पुलिस वाले से पूछा जाता है कि यदि तुम उसे नहीं मारते तो, तो वह पुलिस वाले को मार देता बस इतना पूछते ही अदालत उसे निदोश घोषित कर देती है इसी का नाम हमारे यहां विरोधी हिंसा है इसने अपने आप की जिंदगी को बचाने का नाम विरोधी हिंसा हैं। एक उधोगी हिंसा होती है यदि धन्धा करने में हिंसा उधोग व्यापार में हिंसा की छूट महावीर स्वामी ने अपने उपदेश में छूट दी है, लेकिन सपने में भी कहीं भी किसी भी

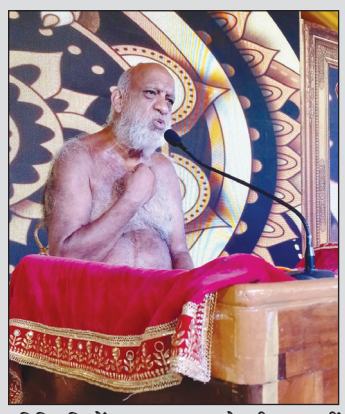

परिस्थिति में आत्मघात करने की छूट नहीं दी उक्त आशय के उद्गार सुभाषगंज में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम भक्तामर पढ़ने के बाद इतनी विशुद्ध और पावन हो जाए कि लोग हमारी पवित्रता को देखकर अपने बच्चों को भेजने का भाव करें। हमें अपने जीवन के विचार ही नहीं, अचार में भी परिवर्तन आना चाहिए, ऐसी पहचान बनाने से प्रभावना होती है। वहीं उन्होंने कहा कि हमारे पास चारों तरफ मुर्ख भरे पड़े हैं प्रकृति के पास ज्ञान नहीं है विवेक नहीं है शाम को सुखे में सोये थे अर्धरात्रि के बाद पानी में तेरते दिखे बह आपका विनाश कर सकती हैं प्रकृति को ये ज्ञान नहीं है कि वे क्या कर रही है ये विवेक आपको ही रखना है। वहीं सभा से पूर्व जैन समाज के जिला मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि आगामी 20 जुलाई को सुधा सागर महाग्रंथ की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

पुण्य जो है वह भावनाओं से बंधता है:

पुण्य जो है वह भावनाओं से बंधता है और यदि वह भावना निरंतर बने तो पुण्य अपना फल भी दिखा देता है। कर्म तो प्राय: सभी के पड़े रहते है लेकिन कर्म का जो फल है वह द्रव्य, क्षेत्र, काल, भव, भाव के आश्रित होता है। कितने कर्म है जो सही निमित्त के न मिलने पर वो पुण्य, पाप में बदलकर समाप्त हो जाते है। कितने अशुभकर्म है जो सदनिमित्त मिलने पर पुण्य में बदल जाते है ऋद्धियाँ तो आज नहीं है लेकिन ऋद्धियों के ऊपर श्रद्धा, ऋद्धियों का ध्यान और जाप करने से ऋद्धि जैसा प्रभाव आज भी देखा जा सकता है। जिस समय जिस ऋद्धि का ध्यान कर रहा है, उस समय उसके मुख से अनायास वो निकल जाए तो उस ऋद्धि का प्रभाव देखा जा सकता है।

यदि हमारी भावना में दृढ़ता है तो प्रकृति को भी अपना रूप बदलना पड़ता है:

उन्होंने कहा कि यदि हमारी भावना में दृढ़ता है तो प्रकृति को भी अपना रूप बदलना पड़ता है दुनिया में सब कुछ है, हमें उसे अनुकूल बनाना है, अनुकूल कोई कर्म नहीं, हमारे अंदर का जो जुनून है, श्रद्धा है, वह श्रद्धा जब अडिग हो जाती है तो देवताओं के भी सिंहासन हिल जाते है।

कलेक्टर ने एक छात्रावास अधीक्षका को किया निलंबित, दो की रोकी वेतन वृद्धि

अशोकनगर। कलेक्टर आदित्य सिंह के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित रहने और कार्य में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर श्री सिंह द्वारा एक छात्रावास अधीक्षक को निलंबित किया है, तो वहीं दो की दो वेतन वृद्धि रोके जाने के निर्देश दिए है। जारी आदेश के अनुसार निरीक्षण दौरान अरुण रघुवंशी (प्राथमिक शिक्षक, जनजातीय कार्य विभाग), हाल अधीक्षक, शासकीय बालक सीनियर छात्रावास नईसंराय अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित नहीं पाये जाने से कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। सूचना पत्र का जबाव समाधानकारक नही होने पर कलेक्टर द्वारा छात्रावास अधीक्षक अरुण रघुवंशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में अरूण रघुवंशी का मुख्यालय कार्यालय जिला संयोजक, जनजातीय कार्य विभाग, जिला अशोकनगर रहेगा।

02-02 वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव रोके जान निर्देश: कलेक्टर द्वारा विगत दिनों शासकीय बालक उत्कृष्ट छात्रावास मुंगावली का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान अधीक्षिका दीपा गौड प्राथमिक शिक्षक हाल अधीक्षिका शासकीय बालक उत्कृष्ट छात्रावास, मुंगावली विलम्ब से उपस्थित होने एवं निरीक्षण दौरान छात्रावास में विस्तर अव्यवस्थित एवं गंदे पाये जाने एवं गैस चूल्हा उपलब्ध नहीं पाये जाने तथा भवन जर्जर स्थिति एवं काफी समय से पुताई भी नहीं होने से पर कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया था। अधीक्षिका द्वारा जबाव नियत समयावधि में प्रस्तुत नहीं करने पर एकपक्षीय कार्यवाही की जाकर मप्र सिविल सेवा अधिरोपित कर 2 वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी जाकर दीपा गौड को अपने मूल संस्था प्राथमिक विद्यालय, टपरा सोपरा, संकल केन्द्र, मल्हारगढ़, वि. खण्ड मुंगावली में वापिस किये जाने हेतु आदेश जारी किया गया है। इसी प्रकार शासकीय अनुसूचित जाति उत्कृष्ट बालिका छात्रावास ईसागढ़ का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान जयकुमारी प्रधान प्राथमिक शिक्षक पर कार्यवाही की गई है।